CBSE NCERT · Class 10 · Hindi Kshitij 2

Hindi Kshitij 2

PADIKAM LEARNING CONTENT
PADIKAM
कोस A
ितज भाग-2
का 10 अध्ययन नोट्स
12 पाठ
युक्तयुक्त वतमान पाठ: 12 किवताएँ और गद्य-पाठ। हटाए गए पूण पाठ शिामल नही ंह।
Padikam की व्याख्या स्वतंत्र रूप से िलखी गई है। NCERT पुस्तक का उपयोग केवल पाठ-क्रम, मानक शावली और अध्ययन-सीमा के िलए िकया गया है।

िवषय-सूची
01 सूरदास - पद 07 नेताजी का चा
02 तुलसीदास - राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद 08 बालगोबन भगत
03 जयशंकर प्रसाद - आत्मकथ्य 09 लखनवी अंदाज़
04 सूयकांत िऩपाठी िनराला - उाह और अट नही ंरही 10 एक कहानी यह भी
05 नागाजुन - यह दंतुरत मुसकान और फसल 11 नौबतखाने म इबादत
06 मंगलेश डबराल - संगतकार 12 सं ृ ित
कै से पढ़
पहले सरल समझ पढ़, िफर याद रखने योग्य िबंदु बोलकर दोहराएँ और अंत म िबना देखे परीक्षा अभ्यास िलख।
आिधकारक पुस्तक ोत
https://ncert.nic.in/textbook.php?jhks1=0-12

पाठ 1
सूरदास - पद
सरल समझ
गोिपयों के कृ ष्ण-प्रेम, िवयोग और उद्धव के िनगुण संदेश के बीच भावपूण संवाद उभरता है।
याद रखने योग्य परीा अ ास
गोिपयाँ ान से अिधक अनुभव और प्रेम को महत्व देती ह। गोिपयों ने उद्धव को भाग्यवान ों कहा?
उद्धव पर व्यंग्य उनके प्रेम की दृढ़ता िदखाता है। पदों म िवरह और व्यंग्य स्पष्ट कीजए।
ब्रजभाषा, उपमा और रूपक भाव को मधुर बनाते ह।
एक-पं पुनरावृि गोिपयाँ ान से अिधक अनुभव और प्रेम को महत्व देती ह।

पाठ 2
तुलसीदास - राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद
सरल समझ
धनुष-भंग के बाद परशुराम के क्रोध, लक्ष्मण की िनभक वाणी और राम की िवनम्रता से नाटकीय टकराव बनता है।
याद रखने योग्य परीा अ ास
लक्ष्मण व्यंग्य और तक से क्रोध का सामना करते ह। राम और लक्ष्मण के स्वभाव की तुलना कीजए।
राम की मयादा तनाव को संतुिलत करती है। संवाद की नाटकीयता के साधन बताइए।
वीर रस के साथ हास्य और व्यंग्य भी उपत ह।
एक-पं पुनरावृि लक्ष्मण व्यंग्य और तक से क्रोध का सामना करते ह।

पाठ 3
जयशंकर प्रसाद - आत्मकथ्य

सरल समझ
कि व आत्मकथा ि लखने की अपेक्षा के सामने ि नजी पीड़ा, संकोच और ृित की जिटलता व्यक्त करता है।
याद रखने योग्य परी ा अ ास
जीवन का सत्य पूरी तरह शों म बाँधना कि ठन है। कि व आत्मकथा ि लखने से ों बचता है?
मधुर ृितयाँ वतमान की उदासी से जुड़ी ह। ृित और पीड़ा का संबंध समझाइए।
प्रश्नात्मक शैली और ि बंब आत्मसंघष को गहरा करते ह।
एक-पं पुनरावृि जीवन का सत्य पूरी तरह शो ं म बाँधना कि ठन है।

पाठ 4
सूयकांत ि पाठी ि नराला - उाह और अट नही ं रही
सरल समझ
बादल परवतन और शक्त का आान बनते ह; फागुन की सुंदरता इतनी व्यापक है ि क वह सीमाओं म नही ं समाती।
याद रखने योग्य परी ा अ ास
उाह म बादल क्रां ित और नवजीवन का प्रतीक है। दोनों कि वताओं म बादल और प्रकृ ित की भूमिका
ि लखए।
अट नही ं रही म प्रकृ ित का उास सवत्र फै लता है।
फागुन की मस्ती ि कन ि बंबों से बनती है?
मानवीकरण, संबोधन और दृश्य-बंब प्रमुख ह।
एक-पं पुनरावृि उाह म बादल क्रां ित और नवजीवन का प्रतीक है।

पाठ 5
नागाजुन - यह दंतुरत मुसकान और फसल
सरल समझ
ि शशु की मुसकान जीवन म कोमल आशा जगाती है; फसल को ि मी, जल, सूय और मानव श्रम के संयुक्त परणाम के रूप
म देखा गया है।
याद रखने योग्य परी ा अ ास
साधारण दृश्य म जीवन की गहरी शक्त ि दखाई गई है। दंतुरत मुसकान का प्रभाव स्पष्ट कीजए।
फसल ि कसी एक व्यक्त की नही,ं प्रकृ ित और श्रम की साझी फसल सामूिहक सृजन कै से है?
देन है।
लोकधम भाषा और ठोस ि बंब कि वता को ि नकट बनाते ह।
एक-पं पुनरावृि साधारण दृश्य म जीवन की गहरी शक्त ि दखाई गई है।

पाठ 6
मंगलेश डबराल - संगतकार
सरल समझ
मुख्य गायक के पीछे रहने वाला संगतकार संगीत को सँभालता है और अनदेखे सहयोग की गरमा सामने लाता है।
याद रखने योग्य परी ा अ ास
सफलता के पीछे अनेक मौन सहायक होते ह। संगतकार मुख्य गायक की सहायता कै से करता
है?
संगतकार की धीमी आवाज कमजोरी नही,ं संवेदनशील सहयोग
है। कि वता का सामिाजक संदेश ि लखए।
कि वता श्रेय और साझेदारी पर प्रश्न उठाती है।
एक-पं पुनरावृि सफलता के पीछे अनेक मौन सहायक होते ह।

पाठ 7
नेताजी का चा
सरल समझ
के की नेताजी-मूित और बदलते चे के माध्यम से देशभक्त, ि दखावा और साधारण नागरक की सी भावना पर
व्यंग्य ि कया गया है।
याद रखने योग्य परी ा अ ास
कै ट्न का छोटा काम जीवत देशभक्त का संके त है। कै ट्न का चरत्र-चित्रण कीजए।

मूित का अधूरापन सावजिनक ृित की िवडंबना िदखाता है। कहानी के अंत का महत्व समझाइए।
अंत का सरकं डे का चा नई पीढ़ी की आशा जगाता है।
एक-पं पुनरावृि कैप्टन का छोटा काम जीिवत देशभक्त का संकेत है।

पाठ 8
बालगोिबन भगत
सरल समझ
लेखक एक साधारण िकसान-संत के श्रम, संगीत, वैराग्य और मानवीय साहस का रेखाचित्र प्रस्तुत करता है।
याद रखने योग्य परीा अास
भगत का अध्यात्म दैिनक श्रम और समानता से जुड़ा है। बालगोिबन भगत की िदनचया और मूल्य
िलखए।
पुत्र की मृत्यु पर उनका व्यवहार जीवन-मृत्यु की गहरी समझ
िदखाता है। पुत्रि-वियोग म उनका आचरण असाधारण ों है?
लोकजीवन के दृश्य चरत्र को जीवंत बनाते ह।
एक-पं पुनरावृि भगत का अध्यात्म दैिनक श्रम और समानता से जुड़ा है।

पाठ 9
लखनवी अंदाज़
सरल समझ
रेलगाड़ी म नवाब साहब के खीरा खाने के िदखावटी ढंग से लेखक सामंती नफासत और खोखले अिभजात्य पर हा व्यंग्य
करता है।
याद रखने योग्य परीा अास
नवाब का व्यवहार वास्तिवक इा और सामाजिक प्रदशन के नवाब साहब खीरा ों नही ंखाते?
बीच फँ सा है।
शीषक की साथकता बताइए।
छोटी घटना वगय मानिसकता खोल देती है।
सूक्ष्म िनरीक्षण और हास्य रचना की शक्त ह।
एक-पं पुनरावृि नवाब का व्यवहार वास्तिवक इा और सामाजिक प्रदशन के बीच फँसा है।

पाठ 10
एक कहानी यह भी
सरल समझ
मू भंडारी अपने लेखकीय िवकास, पारवारक वातावरण, आंदोलन और दांपत्य अनुभवों को आत्मकथात्मक ईमानदारी से
देखती ह।
याद रखने योग्य परीा अास
व्यक्तत्व िनजी और सामाजिक दोनों प्रभावों से बनता है। लेखका के िवकास म िपता की भूमका िलखए।
लेखन आत्मपहचान और प्रितरोध का माध्यम है। शीषक का आशय स्पष्ट कीजए।
आत्मकथा म ृित के साथ आत्ममूल्यांकन भी है।
एक-पं पुनरावृि व्यक्तत्व िनजी और सामाजिक दोनो ंप्रभावो ंसे बनता है।

पाठ 11
नौबतखाने म इबादत
सरल समझ
िबाह ख़ाँ के जीवन से संगीत-साधना, बनारस, गंगा-जमुनी सं ृित और िवनम्रता का िचत्र बनता है।
याद रखने योग्य परीा अास
शहनाई उनके िलए पेशा ही नही,ं इबादत है। िबाह ख़ाँ का बनारस से संबंध िलखए।
ान, परंपरा और रयाज़ कलाकार की पहचान बनाते ह। संगीत को इबादत ों कहा गया है?
िवश्व-प्रिसद्ध के बाद भी जड़ों से लगाव बना रहता है।
एक-पं पुनरावृि शहनाई उनके िलए पेशा ही नही,ं इबादत है।

पाठ 12
सं ृ ित
सरल समझ
लेख सभ्यता की बाहरी उपलयों और सं ृ ित की सृजनशील, मानवीय प्रेरणा के बीच अंतर समझाता है।
याद रखने योग्य परीा अ ास
खोज के पीछे की कल्याणकारी प्रेरणा सं ृ ित का भाग है। सभ्यता और सं ृ ित म अंतर स्पष्ट कीजए।
उपयोगी वस्तु सभ्यता म िदखाई देती है; मूल्य उसे िदशा देते ह। सं ृ त व्यक्त की पहचान ा है?
सी सं ृ ित िवभाजन नही,ं मनुष्यता का िवस्तार करती है।
एक-पं पुनरावृि खोज के पीछे की कल्याणकारी प्रेरणा संित का भाग है।
PADIKAM | NCERT CLASS 10 14